पंजाब केसरी 24/02/2026

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'केंद्रीय बजट में प्रभावी नीति निर्माण' पर हुई वाद-विवाद प्रतियोगिता

'केंद्रीय बजट राष्ट्र की आर्थिक दिशा, प्राथमिकताओं और विकास की आधारशिला का दस्तावेज'

अम्बाला, 23 फरवरी (बलराम): छावनी के गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में यंग स्पीकर्स क्लब के द्वारा 'केंद्रीय बजट में प्रभावी नीति निर्माण' विषय पर वाद-विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान 20 विद्यार्थियों ने समसामयिक आर्थिक एवं नीतिगत विषयों पर गंभीर, तार्किक और तथ्यपूर्ण विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को ऐसा सशक्त मंच प्रदान करना था, जहां वे केंद्रीय बजट से संबंधित नीतिगत निर्णयों का गहन विश्लेषण कर सकें तथा उनके राष्ट्रीय विकास, सामाजिक संरचना और आर्थिक प्रगति पर पड़ने वाले प्रभाव को समझ सकें।

विद्यार्थियों ने संसदीय शैली में आयोजित इस वाद-विवाद में प्रतिभागियों ने पक्ष और विपक्ष के रूप में अपने तर्क रखते हुए उत्कृष्ट शोध, विश्लेषणात्मक क्षमता और प्रभावी अभिव्यक्ति का परिचय दिया। इसमें राजकोषीय नीति, आयकर स्लैब में परिवर्तन, कृषि क्षेत्र के लिए प्रावधान, सैमीकंडक्टर पहल, मानसिक स्वास्थ्य के लिए बजटीय प्रावधान, सतत विकास की रणनीतियां तथा ऑरेंज अर्थव्यवस्था जैसे विषय विशेष रूप से उल्लेखनीय रहे। इसके अतिरिक्त अनेक अन्य बजटीय सुधारों, सार्वजनिक व्यय की प्राथमिकताओं तथा दीर्घकालिक आर्थिक दृष्टिकोण पर भी गंभीर मंथन किया गया।

गांधी मैमोरियल नैशनल कॉलेज में 'केंद्रीय बजट में प्रभावी नीति निर्माण' पर आयोजित वाद-विवाद प्रतियोगिता में भाग लेते विद्यार्थी। (चंद्रमोहन)

कार्यक्रम के समापन अवसर पर कॉलेज प्राचार्य डॉ. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि केंद्रीय बजट जैसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय विषय पर गंभीर विमर्श करना विद्यार्थियों की जागरूकता, बौद्धिक परिपक्वता और लोकतांत्रिक चेतना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बजट केवल आय-व्यय का विवरण नहीं, बल्कि राष्ट्र की आर्थिक दिशा, सामाजिक प्राथमिकताओं और विकास की आधारशिला का दस्तावेज होता है।

डॉ. रोहित दत्त ने विद्यार्थियों को प्रेरित करते हुए कहा कि वे समसामयिक विषयों का सतत अध्ययन करें, नीतिगत प्रक्रियाओं को समझें और शोधपरक दृष्टिकोण विकसित करें। उन्होंने इस बात पर बल दिया कि तर्कपूर्ण अभिव्यक्ति, तथ्यात्मक समझ और सकारात्मक संवाद ही एक सशक्त लोकतंत्र की पहचान है। उनके प्रेरक शब्दों ने विद्यार्थियों में आत्मविश्वास और उत्साह का संचार किया तथा उन्हें भविष्य में भी राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर गंभीर चिंतन एवं सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

कार्यक्रम के संचालन में यंग स्पीकर्स क्लब की मार्गदर्शक एवं कॉलेज में सहायक प्राध्यापक कमलप्रीत कौर, मेहक तलवार, यशवी शर्मा एवं हर्षिता का विशेष योगदान रहा। उन्होंने विद्यार्थियों को विषय की गहराई से समझ विकसित करने, तथ्यों पर आधारित तर्क प्रस्तुत करने तथा संसदीय मर्यादाओं का पालन करते हुए संवाद करने के लिए प्रेरित किया।